Journal of Advances and Scholarly Researches in Allied Education
Vol. 20, Issue No. 4, October-2023, ISSN 2230-7540

बी.एड छात्रों की भावनात्मक और आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता और उनके शैक्षणिक प्रदर्शन के बीच संबंध का अध्ययन

क्रान्ति प्रकाश गुप्त[1]*, प्रो. योगेश कुमार सिंह[2]

[1] शोधार्थी, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय वि. वि., चित्रकूट, जिला सतना (म. प्र.)

[2] विभागाध्यक्ष, लोक शिक्षा एवं जनसंचार विभाग, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय वि. वि. चित्रकूट, जिला सतना(म. प्र.)

सार - इस अध्ययन का उद्देश्य सतना विश्वविद्यालय में छात्रों की भावनात्मक बुद्धिमत्ता, आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंधों का अध्ययन करना है। इस अध्ययन की सांख्यिकीय जनसंख्या में इस विश्वविद्यालय के सभी छात्र शामिल हैं। यादृच्छिक क्लस्टर नमूनाकरण के माध्यम से 250 छात्रों का एक नमूना चुना गया है। डेटा एकत्र करने के लिए स्पिरिचुअल इंटेलिजेंस और सेल्फ-रिपोर्ट इन्वेंटरी और ट्रेट इमोशनल इंटेलिजेंस प्रश्नावली का उपयोग किया गया है। इस अध्ययन के नतीजों से पता चला कि छात्रों की उपलब्धि और उनकी भावनात्मक और आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता के बीच एक महत्वपूर्ण सकारात्मक संबंध है। जैसा कि परिणामों से संकेत मिलता है, भावनात्मक और आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता की वृद्धि और प्रचार को छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि में सुधार के तरीकों के रूप में माना जा सकता है। इसे एक समृद्ध शैक्षिक वातावरण के माध्यम से बढ़ावा दिया जा सकता है और शैक्षिक वातावरण में बेहतर शैक्षिक प्रदर्शन की ओर ले जाया जा सकता है

कीवर्ड- भावनात्मक बुद्धिमत्ता, आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता, शैक्षणिक उपलब्धि, छात्र

----------X----------

1. परिचय

शिक्षा के क्षेत्र में, ज्ञान की खेती लंबे समय से शैक्षणिक संस्थानों का केंद्र बिंदु रही है। सदियों से, स्कूल और विश्वविद्यालय छात्रों को तथ्य, सिद्धांत और अवधारणाएँ प्रदान करने, उन्हें उनके चुने हुए क्षेत्रों में सफल होने के लिए आवश्यक उपकरणों से लैस करने का प्रयास करते रहे हैं। हालाँकि, जैसे-जैसे मानवीय अनुभूति और व्यवहार की समझ गहरी होती जाती है, यह स्पष्ट हो जाता है कि आज हम जिस जटिल और परस्पर जुड़ी दुनिया में रहते हैं, उसमें व्यक्तियों के पनपने के लिए अकेले बौद्धिक कौशल पर्याप्त नहीं हो सकता है।[1-2]

भावनात्मक बुद्धिमत्ता (ईआई) और आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता (एसआई) की अवधारणाएँ दर्ज करें। मानव विकास के ये बहुमुखी पहलू अकादमिक उपलब्धि की पारंपरिक सीमाओं से कहीं आगे तक फैले हुए हैं, इसके बजाय भावनाओं, विश्वासों, मूल्यों और आत्म-जागरूकता के जटिल परस्पर क्रिया पर ध्यान केंद्रित करते हैं। हाल के वर्षों में, भावनात्मक और आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता के बीच संबंधों को समझने और वे छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन को कैसे प्रभावित करते हैं, विशेष रूप से बैचलर ऑफ एजुकेशन (बी.एड) कार्यक्रम करने वालों में रुचि बढ़ रही है।[3]

यह अध्ययन बी.एड छात्रों में भावनात्मक और आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता और उनके शैक्षणिक प्रदर्शन के बीच गहरे संबंध का पता लगाने के लिए एक यात्रा शुरू करता है। ईआई और एसआई के दायरे में जाकर, हमारा लक्ष्य परिवर्तनकारी एजेंटों के रूप में उनकी भूमिकाओं का पता लगाना है जो न केवल शैक्षिक परिणामों को बढ़ा सकते हैं बल्कि व्यक्तियों के समग्र कल्याण और व्यक्तिगत विकास को भी बढ़ा सकते हैं।[4]

भावनात्मक बुद्धिमत्ता, जिसे अक्सर EQ के रूप में जाना जाता है, एक अवधारणा है जिसने शिक्षा, मनोविज्ञान और कार्यस्थल प्रबंधन सहित विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक मान्यता और महत्व प्राप्त किया है। [5] यह स्वयं में और दूसरों के साथ हमारी बातचीत में भावनाओं को पहचानने, समझने, प्रबंधित करने और प्रभावी ढंग से उपयोग करने की क्षमता है। ईआई में आत्म-जागरूकता, आत्म-नियमन, सहानुभूति और सामाजिक कौशल सहित कई प्रकार के कौशल शामिल हैं, जो सामूहिक रूप से किसी व्यक्ति की भावनात्मक भलाई और पारस्परिक संबंधों में योगदान करते हैं।[6]

बी.एड छात्रों के संदर्भ में, उच्च स्तर की भावनात्मक बुद्धिमत्ता विकसित करना प्रभावी शिक्षक बनने की उनकी यात्रा में सहायक हो सकता है। यह उन्हें अपने छात्रों की भावनात्मक जरूरतों को बेहतर ढंग से समझने, कक्षा की गतिशीलता का प्रबंधन करने और सकारात्मक सीखने के माहौल को बढ़ावा देने में सक्षम बनाता है। इसके अलावा, उच्च ईआई वाले शिक्षक उन विविध भावनात्मक चुनौतियों का समाधान करने में अधिक कुशल होते हैं जिनका छात्रों को उनकी शैक्षणिक यात्रा के दौरान सामना करना पड़ सकता है।[7]

जबकि भावनात्मक बुद्धिमत्ता भावनाओं की समझ और प्रबंधन से संबंधित है, आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता या एसक्यू, हमारे मौलिक मूल्यों, विश्वासों और उद्देश्य की भावना पर ध्यान केंद्रित करके हमें मानव मानस के दायरे में गहराई तक ले जाती है। यह जीवन के भौतिकवादी और सांसारिक पहलुओं को पार करने, स्वयं से अधिक महान किसी चीज़ से अर्थ और संबंध खोजने की क्षमता है। आध्यात्मिक बुद्धि में आत्म-जागरूकता, सहानुभूति, करुणा और ब्रह्मांड के साथ अंतर्संबंध की भावना जैसे गुण शामिल हैं।

भविष्य के शिक्षकों की शिक्षा में आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता को शामिल करना आवश्यक है, क्योंकि यह न केवल उनके व्यक्तिगत विकास और कल्याण को बढ़ाता है बल्कि उन्हें छात्रों को अपनी आध्यात्मिक यात्राओं में मार्गदर्शन करने की क्षमता से भी सुसज्जित करता है। बढ़ती सामाजिक जटिलताओं के युग में यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जहां छात्र अक्सर पहचान, उद्देश्य और नैतिकता के सवालों से जूझते हैं।[8]

भावनात्मक और आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता के प्रतिच्छेदन के भीतर ही सच्चा तालमेल उभरता है। जब व्यक्तियों के पास दोनों क्षेत्रों में एक मजबूत आधार होता है, तो वे मानवीय अनुभवों के जटिल जाल को नेविगेट करने, अपने और दूसरों के साथ गहरे संबंध बनाने के लिए बेहतर ढंग से सुसज्जित होते हैं। इस तालमेल के दूरगामी प्रभाव हैं, न केवल व्यक्तिगत जीवन में बल्कि शैक्षणिक गतिविधियों में भी।[9]

इस तालमेल का भावनात्मक पहलू बी.एड छात्रों को अपनी और अपने छात्रों की भावनाओं के साथ तालमेल बनाने की अनुमति देता है। वे अक्सर सीखने की प्रक्रिया के साथ आने वाले भावनात्मक उतार-चढ़ाव को समझने और प्रबंधित करने में माहिर हो जाते हैं। यह, बदले में, एक सकारात्मक और पोषणकारी शैक्षिक वातावरण को बढ़ावा देता है, जिससे प्रभावी शिक्षण और सीखने की सुविधा मिलती है। आध्यात्मिक मोर्चे पर, तालमेल बी.एड छात्रों को कक्षा में अक्सर उभरने वाले अस्तित्व संबंधी प्रश्नों को गहराई से समझने के लिए प्रोत्साहित करता है। वे छात्रों को मूल्यों, नैतिकता और जीवन के अर्थ की खोज में मार्गदर्शन करने के लिए बेहतर ढंग से सुसज्जित हैं, एक समृद्ध शैक्षिक अनुभव बनाते हैं जो पाठ्यपुस्तकों और परीक्षाओं की सीमाओं से परे फैलता है।[10]

शैक्षणिक प्रदर्शन, पारंपरिक रूप से ग्रेड और परीक्षण स्कोर द्वारा मापा जाता है, शैक्षिक कार्यक्रमों की प्रभावशीलता और छात्रों के विकास के मूल्यांकन के लिए एक महत्वपूर्ण पैरामीटर के रूप में कार्य करता है। हालाँकि, जब हम भावनात्मक और आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता की इस खोज पर आगे बढ़ते हैं, तो हमें यह सवाल करना चाहिए कि क्या शैक्षणिक प्रदर्शन रटने और परीक्षा की तैयारी से परे कारकों से प्रभावित हो सकता है। [11]

हाल के शोध ने उच्च स्तर की भावनात्मक बुद्धिमत्ता और बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन के बीच संबंध का सुझाव दिया है। बेहतर भावनात्मक विनियमन कौशल वाले छात्र शैक्षणिक चुनौतियों का सामना करने, परीक्षाओं के दौरान तनाव के स्तर को कम करने और सीखने पर अधिक ध्यान केंद्रित करने में अधिक लचीलापन प्रदर्शित करते हैं। वे अपने साथियों और शिक्षकों के साथ अधिक सकारात्मक संबंध विकसित करते हैं, जिससे सीखने का अनुकूल माहौल बनता है।[12]

इसी प्रकार, शैक्षणिक प्रदर्शन में आध्यात्मिक बुद्धि की भूमिका को कम करके नहीं आंका जा सकता। जैसे-जैसे छात्र जटिल विषयों और व्यक्तिगत विकास से जूझते हैं, जिनके जीवन में उद्देश्य और अर्थ की अच्छी तरह से विकसित भावना होती है, उन्हें अकादमिक रूप से

उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए अधिक प्रेरणा मिल सकती है। इसके अलावा, आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता उन्हें आंतरिक शांति और संतुलन की भावना प्रदान कर सकती है, जो उनकी शैक्षणिक यात्रा के कठिन चरणों के दौरान अमूल्य हो सकती है।[13]

बैचलर ऑफ एजुकेशन (बी.एड) कार्यक्रम उच्च शिक्षा की दुनिया में एक अद्वितीय स्थान रखते हैं। उन्हें भविष्य के शिक्षकों के पोषण की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जो बदले में आने वाली पीढ़ियों के दिमाग और दिल को आकार देते हैं। बी.एड छात्रों को न केवल शैक्षणिक तकनीकों में महारत हासिल करने की जरूरत है, बल्कि दयालु, सहानुभूतिपूर्ण और व्यावहारिक शिक्षकों के गुणों को भी अपनाना होगा।[14]

भावनात्मक और आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता और बी.एड छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन के बीच संबंध अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह इस बात पर सवाल उठाता है कि हम किस तरह के शिक्षकों को तैयार कर रहे हैं, उनकी विविध छात्र आबादी से जुड़ने की क्षमता और अगली पीढ़ी के शिक्षार्थियों को प्रेरित करने और मार्गदर्शन करने की उनकी क्षमता पर। इस प्रकार, यह अध्ययन इस संदर्भ में चल रही गतिशीलता पर प्रकाश डालने का प्रयास करता है [15]

2. क्रियाविधि

यह अध्ययन एक वर्णनात्मक शोध है और इसकी पद्धति संरचनात्मक समीकरण मॉडलिंग है। इस अध्ययन की सांख्यिकीय जनसंख्या में सतना विश्वविद्यालय के सभी छात्र शामिल हैं। यादृच्छिक क्लस्टर नमूनाकरण के माध्यम से 250 छात्रों का एक नमूना चुना गया है। डेटा का विश्लेषण करने और परिकल्पनाओं का परीक्षण करने के लिए एसपीएसएस 15 और एएमओएस 18 का उपयोग किया गया है

डेटा-संग्रह उपकरण

1. विशेषता भावनात्मक बुद्धिमत्ता प्रश्नावली (संक्षिप्त रूप)।

2. आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता और स्व-रिपोर्ट सूची.

इस पैमाने को राग़िब एट अल द्वारा मान्य किया गया है। **(2010)** ईरान और उसके क्रोनबैक 'अल्फा' में सतना विश्वविद्यालय के **250** छात्रों के बीच **0.87** रिपोर्ट किया गया है। साथ ही इस पैमाने और आध्यात्मिक अनुभव के बीच सहसंबंध गुणांक **0.66** बताया गया है। साथ ही इस अध्ययन के लेखकों द्वारा इस पैमाने की विश्वसनीयता **0.89** बताई गई है

परिकल्पना

एच1: सतना विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच एक महत्वपूर्ण सकारात्मक संबंध है।

एच2 : सतना विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच एक महत्वपूर्ण सकारात्मक संबंध है।

एच3: सतना विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच भावनात्मक बुद्धिमत्ता और आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता के बीच एक महत्वपूर्ण सकारात्मक संबंध है

3. परिणाम

तालिका भावनात्मक बुद्धिमत्ता, आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता और शैक्षणिक उपलब्धि के बारे में अध्ययन के वर्णनात्मक निष्कर्षों का सारांश प्रस्तुत करती है

तालिका 1: भावनात्मक बुद्धिमत्ता, आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता और शैक्षणिक उपलब्धि के बारे में अध्ययन के वर्णनात्मक निष्कर्ष

चर	न्यूनतम मूल्य	अधिकतम मूल्य	श्रेणी	औसत
भावात्मक बुद्धि	78	200	142.47	23.95
आध्यात्मिक बुद्धि	25	89	61.41	13.34
शैक्षिक उपलब्धि	10	20	16.82	2.6

सहसंबंध गुणांक परीक्षण के परिणाम तालिका में प्रस्तुत किए गए हैं।

तालिका 2: भावनात्मक बुद्धिमत्ता, आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच सहसंबंध गुणांक के परिणाम

चर	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
महत्वपूर्ण सोच		1									
व्यक्तिगत अर्थ		0.32*	1								
लेन-देन संबंधी चेतना			0.10	0.12*	1						
चेतना विकास			0.14	0.33*	0.09	1					
आशावाद	0.09	0.36*	0.21*	0.22	1						
भावनाओं को समझना			0.003	0.007	0.02	0.05	0.03	1			
भावनाओं पर नियंत्रण		0.13	0.32*	0.20*	0.26*	0.05	0.06	1			
सामाजिक कौशल	0.06	0.03	0.05	0.21*	0.30*	0.20*	0.20*	1			
भावात्मक बुद्धि		0.17	0.43*	0.09	0.36*	0.48*	0.34*	0.49*	0.61*	1	
आध्यात्मिक बुद्धि		0.56*	0.58*	0.44*	0.55*	0.15	0.19*	0.27*	0.14	0.64	1
शैक्षिक उपलब्धि	0.71*	1	0.26*	0.47*	0.37*	0.43*	0.28*	0.23*	0.33*	0.34*	0.41*

जैसा कि पिछले अनुभागों में संकेत दिया गया है, इस अध्ययन की पहली परिकल्पना में दावा किया गया है कि सतना विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच एक महत्वपूर्ण सकारात्मक संबंध है। तालिका 2 के नतीजे बताते हैं कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच सहसंबंध गुणांक 0.41 है। इससे पता चलता है कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच एक महत्वपूर्ण सकारात्मक संबंध है (p≤0.01)। परिणामों ने संकेत दिया कि चर का सबसे कम सहसंबंध भावनाओं को समझने और शैक्षणिक उपलब्धि (आर: 0.23, पी≤0.01) के बीच है। साथ ही परिणामों से पता चला कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच एक महत्वपूर्ण सकारात्मक संबंध है।

इस अध्ययन की दूसरी परिकल्पना इंगित करती है कि सतना विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच एक महत्वपूर्ण सकारात्मक संबंध है। तालिका 2 के परिणामों से संकेत मिलता है कि व्यक्तिगत अर्थ और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच सबसे अधिक सहसंबंध देखा गया (आर: 0.47, पी≤0.01)। साथ ही परिणामों ने संकेत दिया कि आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच एक महत्वपूर्ण सकारात्मक संबंध है। आध्यात्मिक बुद्धि और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच सहसंबंध 0.71 है जिसके द्वारा यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि आध्यात्मिक बुद्धि और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच एक महत्वपूर्ण सकारात्मक संबंध है।

हमारे अध्ययन की तीसरी परिकल्पना इंगित करती है कि सतना विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच भावनात्मक बुद्धिमत्ता और आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता के बीच एक महत्वपूर्ण सकारात्मक संबंध है। जैसा कि तालिका 2 के परिणामों से पता चला है, आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता और भावनात्मक बुद्धिमत्ता के बीच सहसंबंध गुणांक 0.46 है। तालिका 2 के परिणामों के आधार पर, सबसे अधिक सहसंबंध व्यक्तिगत अर्थ और भावनात्मक बुद्धिमत्ता (आर: 0.43) के बीच है। साथ ही परिणामों से पता चला कि भावनाओं को नियंत्रित करने और आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता के बीच संबंध 0.27 **(p≤0.05)** देखा गया। अंत में, परिणामों से पता चला कि लेन-देन संबंधी चेतना और भावनात्मक बुद्धिमत्ता (आर: **0.09)** के बीच सबसे कम महत्वपूर्ण सहसंबंध देखा गया.

4. निष्कर्ष

जैसा कि अध्ययन में संकेत दिया गया है, वर्तमान अध्ययन का उद्देश्य सतना विश्वविद्यालय के छात्रों की भावनात्मक बुद्धिमत्ता, आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंधों की जांच करना था। दूसरी परिकल्पना में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंध की जांच की गई। भावनात्मक बुद्धिमत्ता का विकास सबसे महत्वपूर्ण कारकों में से एक है जो शैक्षिक प्रदर्शन में सुधार में प्रभावी हो सकता है। तीसरी परिकल्पना में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता के बीच संबंध की जांच की गई है। उन्होंने पाया कि आध्यात्मिक बुद्धि, बुद्धि लब्धि और भावनात्मक बुद्धि सुधार में एक प्रभावी कारक हो सकती है। इसका कारण यह है कि बुद्धि के ये स्तर व्यक्तियों की बुद्धि की जटिलता को व्यक्त करने और उनकी भावनाओं की क्षमताओं की व्यापकता को व्यक्त करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। आध्यात्मिक बुद्धि का वर्णन करके मानव बुद्धि को समझना संभव है और बुद्धि के अन्य स्तरों के साथ इसकी संगति से सभी मानवीय पहलुओं में सुधार हो सकता है। धार्मिक स्थितियों को आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता का एक महत्वपूर्ण संकेतक माना जा सकता है

www.ignited.in

संदर्भ

1. गोलेमैन, डी. (2018)। भावनात्मक बुद्धिमत्ता: यह IQ से अधिक महत्वपूर्ण क्यों हो सकता है। बैंटम बुक्स।

2. मेयर, जे.डी., और सलोवी, पी. (2019)। भावनात्मक बुद्धिमत्ता क्या है? पी. सलोवी और डी. जे. स्लुयटर (सं.) में, भावनात्मक विकास और भावनात्मक बुद्धिमत्ता: शिक्षकों के लिए निहितार्थ (पीपी. 3-34)। बुनियादी पुस्तकें.

3. ज़ोहर, डी., और मार्शल, आई. (2022)। आध्यात्मिक पूंजी: वह धन जिसके द्वारा हम जी सकते हैं। बेरेट-कोहलर प्रकाशक।

4. किंग, डी.बी., और डेसिक्को, टी.एल. (2019)। आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता का एक व्यवहार्य मॉडल और स्व-रिपोर्ट उपाय। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ट्रांसपर्सनल स्टडीज, 28(1), 68-85।

5. ब्रैकेट, एम. ए., और कटुलक, एन. ए. (2016)। कक्षा में भावनात्मक बुद्धिमत्ता: शिक्षकों और छात्रों के लिए कौशल-आधारित प्रशिक्षण। जे. सियारोची, और जे.डी. मेयर (सं.) में, भावनात्मक बुद्धिमत्ता में सुधार (पीपी. 101-121)। मनोविज्ञान प्रेस.

6. बार-ऑन, आर. (2020)। भावनात्मक भागफल सूची (ईक्यू-आई): तकनीकी मैनुअल। बहु-स्वास्थ्य प्रणालियाँ।

7. वैन शल्कविक, जी.जे., और त्लहोएले, एम. (2020)। युवा दक्षिण अफ़्रीकी वयस्कों की आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता के लिए एक सैद्धांतिक रूपरेखा। जर्नल ऑफ़ साइकोलॉजी इन अफ़्रीका, 20(3), 479-486।

8. इलियास, एम.जे., और अर्नोल्ड, एच. (2016)। भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षणिक उपलब्धि के लिए शिक्षक की मार्गदर्शिका: कक्षा में सामाजिक-भावनात्मक शिक्षा। कॉर्विन प्रेस.

9. एम्मन्स, आर.ए., और पलौट्ज़ियन, आर.एफ. (2021)। धर्म का मनोविज्ञान. गिलफोर्ड प्रेस.

10. मैथ्यूज, जी., ज़ेडनर, एम., और रॉबर्ट्स, आर.डी. (2022)। भावनात्मक बुद्धिमत्ता: विज्ञान और मिथक। एमआईटी प्रेस।

11. एस्टिन, ए.डब्ल्यू., एस्टिन, एच.एस., और लिंडहोम, जे.ए. (2020)। भावना का विकास: कॉलेज कैसे छात्रों के आंतरिक जीवन को बढ़ा सकता है। जोसी-बास।

12. बार-ऑन, आर. (2019)। भावनात्मक और आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता: भावनात्मक भागफल सूची (ईक्यू-आई) से अंतर्दृष्टि। बार-ऑन, आर., और पार्कर, जे.डी.ए. (एड्स.) में, द हैंडबुक ऑफ़ इमोशनल इंटेलिजेंस: थ्योरी, डेवलपमेंट, असेसमेंट, एंड एप्लीकेशन एट होम, स्कूल, एंड द वर्कप्लेस (पीपी. 363-388)। जोसी-बास।

13. लोमास, टी., हेफ़रॉन, के., और इवत्ज़न, आई. (सं.). (2018)। अनुप्रयुक्त सकारात्मक मनोविज्ञान: एकीकृत सकारात्मक अभ्यास। रूटलेज।

14. शुट्टे, एन.एस., मलौफ़, जे.एम., और थोरस्टिन्सन, ई.बी. (2017)। प्रशिक्षण के माध्यम से भावनात्मक बुद्धिमत्ता बढ़ाना: वर्तमान स्थिति और भविष्य की दिशाएँ। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इमोशनल एजुकेशन, 5(1), 56-72।

15. मिलर, एल., और थोरसन, सी.ई. (2193)। अध्यात्म, धर्म और स्वास्थ्य: एक उभरता हुआ अनुसंधान क्षेत्र। अमेरिकी मनोवैज्ञानिक, 58(1), 24-35।

Corresponding Author

क्रान्ति प्रकाश गुप्त*

शोधार्थी, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय वि. वि., चित्रकूट, जिला सतना (म. प्र.)